पंचनद शोध संस्थान का समाचार प्रकाशन

पंचनद संवाद

कार्यालय : 2, टैगोर पार्क, मक्सूदन, जालंधर panchnad.org panchnadorg panchnadri@gmail.com 7011504209

विमर्श वाद-विवाद का विषय नहीं, सत्य के अन्वेषण का प्रयास है

तीर्थे तीर्थे निर्मलं ब्रह्मवृन्दं, वृन्दे वृन्दे तत्त्व चिन्तानुवादः।
वादे वादे जायते तत्त्वबोधो, बोधे बोधे भासते चन्द्रचूडः॥

प्रत्येक तीर्थ में विद्वान लोगों के समूह विद्यमान रहते हैं। इन समूहों में तत्व के चिंतन की परंपरा विकसित होती है। एक-दूसरे से विमर्श करने से ही ज्ञान की प्राप्ति होती है और तत्व का ज्ञान होने पर ईश्वर साक्षात्कार होता है। स्पष्ट है कि हमारे यहां विचार विमर्श को ईश्वर साक्षात्कार का एक साधन माना गया है। यहां विमर्श कोई वाद-विवाद का विषय नहीं है, बल्कि यह सत्य के अन्वेषण का प्रयास है। पंचनद शोध संस्थान स्थान-स्थान पर अपनी विचार गोष्ठियों के माध्यम से इस पद्धति को परिपक्व कर रहा है।

इन गोष्ठियों के सार तत्व को अधिक से अधिक जनसमुदाय तक पहुंचाने के लिए संस्थान की ओर से न्यूज लेटर के प्रकाशन की योजना बनाई गई है। इस समाचार प्रकाशन में गत छह माह में हुई गोष्ठियों का विवरण देने का प्रयास किया गया है। यह शुभ संयोग ही है कि इस समाचार प्रकाशन का विमोचन पर्यावरण एवं जल पर आयोजित व्याख्यान माला के अवसर पर हो रहा है। मुझे विश्वास है कि यह प्रयास प्रकृति के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को और पुष्ट करेगा। पंचनद से जुड़े सभी साथी सत्य के अनुसंधान और जन-जागरण के प्रयासों में पूरे मनोयोग के साथ लगे रहे, इसी विश्वास और कामना के साथ-

– डॉ. कृष्ण सिंह आर्य, कार्यकारी अध्यक्ष

पंचनद के कार्यों से बढ़ रही भारतीय विचार की स्वीकार्यता

आज देश में सभी दिशाओं में सकारात्मक वातावरण बन रहा है। भारतीय विचार की स्वीकार्यता अपने देश के साथ-साथ वैश्विक स्तर भी पर बढ़ रही है। कल तक जो तथाकथित बुद्धिजीवी भारतीयता के विचार को मात्र पौराणिकता की दृष्टि से देखते थे, आज उन्हें उसमें वैज्ञानिकता के तत्व परीलक्षित होने लगे हैं। जो लोग कभी इस विचार को फासीवाद जैसी संज्ञाओं से अलंकृत करते थे, उन्हें आज एकात्मता में वास्तविक लोकतंत्र के सही अर्थ का आभास होने लगा है। राष्ट्रीय विचार की इस जयगाथा के पीछे अनेक कर्मयोगी बुद्धिधर्मियों का व्यक्तिगत और सामूहिक प्रयास है। इस प्रयास में पंचनद शोध संस्थान भी गत 35 वर्षों से निरंतर आहुति डाल रहा है।

पंचनद शोध संस्थान ने उत्तर भारत में न केवल बौद्धिक वातावरण बनाया अपितु विमर्श की परंपरा को उत्तरोत्तर सजीव बनाया। राष्ट्रहित की चिंता करने वाले बुद्धिधर्मी बंधु-भगिनियों के लिए यह अभिव्यक्ति का सक्षम मंच बन गया है। दिल्ली, चंडीगढ़, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में पंचनद शोध संस्थान अपने अध्ययन केंद्रों के माध्यम सें बौद्धिक जागरण की अलख जगा रहा है। इन सभी अध्ययन केंद्रों में नियमित रूप से होने वाली मासिक विचार गोष्ठियों में समसामयिक विषयों की प्रस्तुति एवं चर्चा के माध्यम से समाज प्रबोधन का कार्य हो रहा है।

अनेक कार्यकर्ताओं की इच्छा थी कि संस्थान की गतिविधियों की सभी सदस्यों को जानकारी होनी चाहिए। इसी उद्देश्य से इस न्यूज लेटर - पंचनद संवाद के प्रकाशन की योजना बनी है। इस प्रकाशन में पंचनद अध्ययन केंद्रों की विचार गोष्ठियों पर संक्षिप्त रिपोर्ट पेश की जा रही है। इस प्रकाशन की सफलता और उपयोगिता के लिए संपादकीय टीम को बधाई और शुभकामनाएं।

– प्रो. बृज किशोर कुठियाला, निदेशक

प्रकाशक
डॉ. अरुण मेहरा

संपादक
डॉ. कृष्ण चंद्र पाण्डेय
श्री दिनेश कुमार

सह संपादक
श्री सूर्य प्रकाश सेमवाल
श्री गोबिन्द बल्लभ

कला संयोजन
श्री विपिन थपलियाल

समाज को कलंकित कर रही हैं मॉब लिंचिंग जैसी घटनाएं

गाजियाबाद, मॉब लिंचिंग या भीड़ हिंसा और इन घटनाओं को लेकर हंगामाखेज खबरों व संवाद की प्रस्तुति के पीछे कुछ राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय समूह सक्रिय हैं। जो विकास की दिशा में अग्रसर भारत देश के सामाजिक ताने बाने को छिन्न भिन्न करने पर तुले हैं। बौद्धिक स्तर पर विचार विमर्श के साथ न्याय प्रक्रिया में सुधार, उचित कारणों पर बगैर भेदभाव चर्चा और समान आर्थिक विकास आदि तरीकों से ऐसी घटनाओं से मुक्ति पाई जा सकती है। पंचनद शोध संस्थान के वैशाली अध्ययन केंद्र द्वारा इंद्रप्रस्थ इंजिनीयरिंग कालेज में इस विषय पर आयोजित गोष्ठी में वक्ताओं ने यह विचार व्यक्त किये।

पाञ्चजन्य के संपादक हितेश शंकर मुख्य वक्ता थे। सचिव कुमार अमिताभ ने विषय परिचय और वैशाली अध्ययन केन्द्र के अध्यक्ष राकेश अग्रवाल ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में पत्रकार साहित्यकार, वकील, अवकाश प्राप्त जज, सेनाधिकारी व गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। पत्रकार उमेश कुमार, मनोज वर्मा, कल्याण कुमार, सुभाष झा, अर्जुन देशप्रेमी, संजय मिश्रा,असित कुमार तिवारी, वकील अनिल सक्सेना, साहित्यकार विनय कुमार दुबे सहित कई महत्वपूर्ण लोग शामिल थे।

श्री हितेश ने ऐसी घटनाओं को शर्मनाक बताते हुए कुछ खास समूहों द्वारा बहुसंख्यक वर्ग को लक्ष्य बनाए जाने और चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा ऐसा लगता है, सत्ता के खेल में पिछड़ गए लोग जानबूझकर इस देश की बहुसंख्यक जनता को दबाव में लाने के लिए, समाजिक ताने बाने को छिन्न-भिन्न करने के लिए ऐसी हरकतें कर रहे हैं। अन्य वक्ताओं ने विभिन्न पहलुओं से बात रखी जिसमे सभी ने इस बात पर पूरा जोर दिया किया कि लिंचिंग के वास्तविक कारण पर बात की जाए, मुलम्मा न उढ़ाया जाए।

मीडिया की भूमिका को लेकर भी विभिन्न वक्ताओं ने बेहद आलोचना की। सभी ने कहा, ऐसा लगता है कि बगैर सोचे समझे या किसी दबाव में

पंचनद शोध संस्थान के वैशाली अध्ययन केंद्र द्वारा इंद्रप्रस्थ इंजीनियरिंग कॉलेज में आयोजित गोष्ठी।

आकर सामान्य घटनाओं को भी धर्म आधारित रंग डालकर लिंचिंग की घटना के रूप में पेश कर दिया जाता है।

कुछ वक्ताओं ने न्याय की अनुपलब्धता व देरी को भी इसका एक बड़ा कारण माना। न्याय में देरी से परेशान लोग अब खुद न्याय लेने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। पुलिस में व्याप्त भ्रष्टाचार को भी एक बड़ा कारण माना गया। कहा गया कि अक्सर चोर उचक्के पाकिटमार पुलिस के हाथों देने पर बच निकलते हैं। ऐसे में लोग सीधा सजा देने में यकीन करने लगे हैं। गोकशी को लेकर भी बातें उठी जिसमें भावनाओं के आहत होने और कई बार पुलिस द्वारा झूठे फंसा दिए जाने की बातें भी सामने आई।

अतः समावेशी विकास, उचित न्याय, संविधान में विश्वास, भ्रष्टाचार में कमी और आम लोगों में जागरूकता से इन सब पर काबू पाया जा सकता है।

बौद्धिक वर्ग ही तय करते हैं समाज की दशा और दिशा

रोहतक, पंचनद शोध संस्थान, विश्वविद्यालय अध्ययन केंद्र, रोहतक द्वारा 'वर्तमान राजनीति में बौद्धिक वर्ग की भूमिका' विषय पर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें प्रस्तोता माननीय श्रीमती सुषमा यादव, कुलपति भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर ने आज की राजनीति तथा बौद्धिक वर्ग पर बहुत बढ़िया तथा विस्तार से वर्णन किया। प्रो. यादव ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में भारत की राजनीति में काफी परिवर्तन तथा संक्रमण आ गया है। विभिन्न प्रकार के राजनीतिक दल हो गयें है जो कि जाति, धर्म तथा क्षेत्र की राजनीति करते हैं नाकी राष्ट्रहित की। क्योंकि समाज में आदर्श बुद्धिजीवी बनाते हैं तथा प्रसारित करते हैं और इसके इलावा जो संकट आता है उसका समाधान करते हैं इसलिए हर क्षेत्र में काम कर रहे बुद्धिजीवियों का दायित्व और अधिक हो गया है। उन्होंने ने कहा कि भारत में ही नहीं बल्कि विश्व में हर दिशा में जो भी परिवर्तन हुआ उसमें बुद्धिजीवियों का योगदान रहा है। इसके लिए उन्होंने विवेकानंद, चाणक्य, कार्ल माक्स, प्लूटो आदि जैसे बद्धिजीवियों तथा राजनीतिज्ञों की नीतियों का उल्लेख किया।

उन्होंने कहा बौद्धिक वर्ग को शोध, अन्वेषण तथा लेखन के द्वारा समाज तथा राजनीति को नई दिशा देनी होगी तथा गहन चिंतन करते हुए, राजनीतिक संस्थाओं व दलों का मार्गदर्शन करना होगा ताकि सभी को साथ लेकर राष्ट्रहित में काम करें। चर्चा में कई प्रतिभागियों ने अपने प्रश्न तथा विचार रखें तथा यह महसूस किया की बौद्धिक वर्ग को अपना दायित्व निभाना होगा तभी राष्ट्र नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर सकेगा। गोष्ठी में रोहतक केन्द्र के वरिष्ठ सदस्य व

पंचनद शोध संस्थान, विश्वविद्यालय अध्ययन केंद्र, रोहतक द्वारा 'वर्तमान राजनीति में बौद्धिक वर्ग की भूमिका' विषय पर आयोजित गोष्ठी।

संस्थापक श्री ईश्वर दत्त अग्गी ने अध्यक्षता की और सभी प्रतिभागियों व बुद्धिजीवियों से आह्वान किया कि वह तहेदिल से राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाए। गोष्ठी के दौरान प्रो. वजीर सिंह नेहरा, हरियाणा उच्च शिक्षा परिषद, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक के कुलपति प्रो. राजबीर सिंह तथा कुलसचिव प्रो. गुलशन तनेजा सहित शहर के कई गणमान्य व्यक्ति व बुद्धिजीवी उपस्थित रहे। प्रो. राजीव कुमार ने सभी का आभार वक्त किया तथा संयोजक की भूमिका का निर्वाहन किया।

राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे संवेदनशील मुद्दे पर सभी का सहयोग जरूरी

पंचनद शोध संस्थान, भिवानी अध्ययन केन्द्र की ओर से 'राष्ट्रीय सुरक्षा और हमारा दायित्व' विषय पर मासिक संगोष्ठी का आयोजन।

लोहारू, पंचनद शोध संस्थान, भिवानी अध्ययन केन्द्र की ओर से कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य में कारगिल शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए 'राष्ट्रीय सुरक्षा और हमारा दायित्व' विषय पर मासिक संगोष्ठी का आयोजन चौ. बंसीलाल राजकीय महाविद्यालय में किया गया। जी.डी.सी. मेमोरियल कॉलेज, बहल के प्राचार्य एवं सैन्य विज्ञान विशेषज्ञ डॉ. एस. के. मिश्रा ने प्रस्तोता के रूप में बोलते हुए राष्ट्रीय सुरक्षा को एक व्यापक दृष्टिकोण से देखने की अपील की। उन्होंने कश्मीर को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए तात्कालिक चुनौती बताया। उन्होंने कश्मीर के भारत में विलय पर भी विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला और कहा कि कश्मीर विलय पर कोई प्रश्न चिन्ह नहीं है। उन्होंने कहा कि धारा 370 और धारा 35-ए कश्मीर समस्या को जटिल बना रही हैं। उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने, राष्ट्र को शक्तिशाली बनाने, अन्याय का दमन और न्याय को मजबूत करने, समाज के प्रत्येक वर्ग-समूह की भागीदारी सुनिश्चित करने और सिद्धात आधारित राजनीति को जरूरी बताया। डॉ. एस.के. मिश्रा ने व्यापार एवं वणिज्य में ईमानदारी, संस्कार-युक्त समाज, मानवता के प्रति सम्मान, सामाजिक सद्भाव और दायित्व निर्वहन पर भी जोर दिया।

संगोष्ठी में डॉ. राधा माधव झा, श्री राजेन्द्र कुमार और श्री राजीव वत्स ने राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित मुद्धो पर प्रश्न पूछ संगोष्ठी को सार्थक बनाने में अपना योगदान दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डॉ. जितेन्द्र भारद्वाज, रजिस्ट्रार, सी.बी.एल.यू. ने अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे संवेदनशील मुद्धे पर सभी का सहयोग आवश्यक है और आंतरिक खतरों से भी सचेत रहने की आवश्यकता है। कार्यक्रम का संचालन भिवानी अध्ययन केन्द्र के अध्यक्ष श्री अजीत कुमार ने किया। कार्यक्रम में लोहारू, बहल, बाढडा और महेन्द्रगढ क्षेत्र के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत प्रबुद्ध नागरिक और प्राध्यापक शामिल हुए। कार्यक्रम में अंत में पंचनद शोध संस्थान, भिवानी अध्ययन केन्द्र के सचिव डॉ. सुखवीर सिंह ने सभी आंगतुकों का धन्यवाद किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

जम्मू-कश्मीर के भारत में विलय पर कोई प्रश्नचिन्ह नहीं

पंचनद शोध संस्थान, भिवानी अध्ययन केन्द्र की ओर से 'जम्मू कश्मीर - भ्रांतियों का शिकार' विषय पर मासिक गोष्ठी का आयोजन।

भिवानी, पंचनद शोध संस्थान, भिवानी अध्ययन केन्द्र की ओर से 'जम्मू कश्मीर - भ्रांतियों का शिकार' विषय पर मासिक गोष्ठी का आयोजन चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय, भिवानी के सभागार में किया गया। मुख्य प्रस्तोता के रूप में श्री रंजन चौहान, विशेषज्ञ जम्मू कश्मीर अध्ययन एवं शोध केन्द्र, नई दिल्ली ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के संबंध में लोगो में कई प्रकार की भ्रांतियां फैली हुई है। जम्मू-कश्मीर वास्तव में कोई समस्या नहीं है अपितु समस्या जम्मू-कश्मीर में है। उन्होंने कश्मीर के भारत में अधिमिलन पर भी खुलकर तथ्यों सहित प्रकाश डाला और बताया कि जम्मू-कश्मीर के भारत में विलय पर कोई प्रश्न चिन्ह नहीं है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर का भारत नियंत्रित बहुत बड़ा क्षेत्र शांत है जबकि आतंकवाद दक्षिणी कश्मीर के केवल पांच जिलों तक ही सीमित है।

जम्मू, लदाख, कारगिल और गुरेज घाटी के लोग अपने आपको दिल से भारत के बहुत नजदीक मानते हैं। कश्मीर घाटी के कुछ राजनीतिक परिवार और स्वार्थी तत्व जनता को भारत के खिलाफ एक सुनियोजित षंडयंत्र के तहत उकसाते रहते हैं और आम नागरिक का इस षड्यंत्र से कोई लेना देना नहीं है। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय, नगर के महाविद्यालयों के शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहे और सभी ने जम्मू कश्मीर के विषय पर अपनी जिज्ञासाएं प्रकट की और सकारात्मक विचार मंथन किया।

कार्यक्रम का संचालन पंचनद शोध संस्थान, भिवानी के अध्यक्ष श्री अजीत कुमार ने किया । कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री जितेन्द्र भारद्वाज, रजिस्ट्रार, चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी ने की।

अखबार एवं टीवी चैनलों में खबर सच्चाई पर आधारित होनी चाहिए

दिल्ली, पंचनद शोध संस्थान, दक्षिण दिल्ली अध्ययन केंद्र द्वारा, मासिक गोष्ठी का आयोजन, सरस्वती विद्यालय, नेहरु नगर में हुआ। जिसमे प्रो. रविन्द्र, उपकुलपति ने अध्यक्षता की एवं श्री ओमकालेश्वर पांडेय, प्रस्तुतकर्ता रहे उन्होंने अपने विचार 'वर्तमान समाज में मीडिया की भूमिका' पर रखे। श्री पांडेय जी ने कहा कि अखबार को एकपक्षीय तथा सत्ता पक्षीय न होकर राष्ट्र के पक्ष में अपनी बात लिखनी चाहिये तथा अखबार एवं चैनल्स में खबर सच्चाई पर आधारित होनी चाहिये। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार खबरों का गलत इस्तेमाल होता है और राजनैतिक रंग दे दिया जाता है यह समाज और राष्ट्र के लिए ठीक नहीं है।

कार्यक्रम का संचालन प्रो. वेद प्रकाश कुमार, अध्यक्ष एवं धन्यवाद श्रीमती ऋचा चतुर्वेदी, उपाध्यक्ष जी ने किया। कार्यक्रम में दक्षिण दिल्ली के सुधीजन उपस्थित थे। उन्होंने भी इस विषय पर अपने स्वतंत्र विचार व्यक्त किए। विचार मंथन गोष्ठी में समाज में मीडिया की भूमिका पर बल रहा।

बेहतर दिनचर्या स्वस्थ जीवन के लिए जरूरी

फतेहाबाद, पंचनद शोध संस्थान, अध्ययन केन्द्र फतेहाबाद इकाई द्वारा स्थानीय दरवेश अकादमी में "शिक्षा में लाईफ स्किल का महत्व तथा स्वस्थ दिनचर्या" विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें विषय के प्रस्तोता के रुप में डॉ. महेन्द्र कुमार प्रवक्ता रसायन विज्ञान रहे। डॉ. महेन्द्र ने कहा कि हमें विद्यालयों में विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान के साथ साथ व्यावहारिक ज्ञान भी देना चाहिए जो कि वर्तमान समय में अत्यन्त जरुरी है। आजकल का विद्यार्थी किताबी ज्ञान के आधार पर शत प्रतिशत अंक प्राप्त कर रहा है लेकिन उसे व्यावहारिक ज्ञान के बारे में बिल्कुल पता नहीं है। उन्होने पिछले दिनों गुजरात के सूरत शहर में हुई आगजनी की घटना का उदाहरण देते हुए कहा कि अगर उन विद्यार्थियों को आग से बचने का व्यावहारिक ज्ञान होता तो उनकी जान बचाई जा सकती थी। इसके साथ साथ उन्होने कहा कि जीवन में कदम कदम पर अनेक खतरें है उन सबका विद्यार्थी व आमजन को व्यावहारिक ज्ञान होना अति

● विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक ज्ञान भी देना चाहिए

आवश्यक है।

इसी दौरान दूसरे वक्ता मुख्य योग प्रशिक्षक रमेशचन्द्र कामरा ने 'स्वस्थ दिनचर्या' पर विस्तार से बताते हुए कहा कि अगर व्यक्ति की सुबह उठने से लेकर रात्रि शयन तक दिनचर्या सही हो तो व्यक्ति कभी अस्वस्थ नहीं होगा।

वर्तमान की भागदौड़ भरी जिन्दगी में व्यक्ति के सोने-जागने, खाने-पीने की कोई समय-सारणी नहीं है। यह अनियमित तरीका की हमारे अस्वस्थ होने का मुख्य कारण है। कार्यक्रम के अन्त में संस्था के जिला प्रभारी डा.बलविन्द्र खुराना ने संस्था के बारे में सक्षिप्त जानकारी दी तथा आए हुए मेहमानों का आभार व्यक्त किया। यह समस्त जानकारी पंचनद अध्ययन केन्द्र फतेहाबाद के सचिव मदन गोपाल आर्य ने दी।

रिफार्म परफार्म और ट्रांसफार्म के आधार पर प्रस्तुत हुआ बजट

उत्तरी दिल्ली, केन्द्रीय बजट 2019 एक विजन डॉक्यूमेंट के रूप में प्रस्तुत हुआ जिसमें सरकार ने भविष्य के 10 वर्षों की कार्यनीति एवं 5 वर्षों की कार्ययोजना को संसद के पटल पर प्रस्तुत किया। इस बार पिछली सभी परम्पराओं को तोड़कर नई दिशा में बजट प्रस्तुत किया गया। इससे पहले अटल सरकार में भी पुरानी परम्पराओं को तोड़ा गया था जिसमें बजट सायं 5 बजे प्रस्तुत होने के बजाए प्रातः 11 बजे प्रस्तुत किया जाने लगा। इस वर्ष ब्रीफकेश की परम्परा को भी तोड़ा गया और सभी नकारात्मक चीजें बन्द हुई तथा बजट सकारात्मक रहा। बजट में अधिकतर सरकार की योजनाओं की बात कही गई जिनमें आयुष्मान भारत, स्वच्छ भारत, प्रधानमन्त्री ग्राम सड़क योजना, मनरेगा, हर घर बिजली, उज्ज्वला योजना, बाल विकास योजना, मुद्रा योजना, उड़ान योजना, स्टडी इन इंडिया योजना आदि प्रमुख रही। इन योजनाओं को जमीन पर लागू करने की बात कही गई । पुरानी योजनाओं के बजट में बढोतरी की गई। उक्त विचार पंचनद शोध संस्थान उत्तरी दिल्ली अध्ययन केन्द्र द्वारा आयोजित संगोष्ठी में 'भारतीय वित्त सलाहकार समिति' के अध्यक्ष श्री रोहित वासवानी ने प्रस्तुत किए ।

उन्होंने कहा कि इस बार न्यू इंडिया ट्रांसफार्मेशन और ढांचागत परिवर्तन पर जोर दिया गया। वर्तमान में भारत की अर्थव्यवस्था छठे पायदान पर है जो जल्दी ही पांचवें पायदान पर पहुंच जाएगी। भारत को शीर्ष तक पहुंचना है और यह परिवर्तन का समय है। परिवर्तन में समय लगता है तथा परिवर्तन का समय दर्दभरा भी होता है यदि इसी गति से परिवर्तन होता रहा तो इस लक्ष्य को प्राप्त करने में करीब 25 वर्ष और लगेंगे यदि गति धीमी होती है तो भारत को शीर्ष अर्थव्यवस्था पर पहुंचने में और अधिक समय लगेगा। यदि इसी गति से भारत विकास के पथ पर अग्रसर रहा तो 2035 तक भारत पहले स्थान पर पहुंच जाएगा ।

'केन्द्रीय बजट 2019 समीक्षा एवं विश्लेषण' विषय पर पंचनद शोध संस्थान उत्तरी दिल्ली अध्ययन केन्द्र की मासिक संगोष्ठी वरिष्ठ मनोरंजन केन्द्र केशवपुरम दिल्ली में आयोजित की गई जिसमें विषय की प्रस्तुति 'भारतीय वित्त सलाहकार समिति' के अध्यक्ष श्री रोहित वासवानी जी ने की। कार्यक्रम का संचालन अध्ययन केन्द्र की संयोजिका डॉ. सुनीता शर्मा ने किया जिसमें पंचनद शोध संस्थान के पूर्णकालिक कार्यकर्ता श्री गोविन्द वल्लभ भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में उत्तरी दिल्ली के बुद्धिजीवी जन उपस्थित रहे और सभी ने संगोष्ठी में चर्चा-विमर्श किया। संगोष्ठी में डॉ. त्रिवेदी जी ने जनसंख्या नियन्त्रण की बात कही और तर्क दिया कि जिस प्रकार भारत का विकास आज की जनसंख्या के आधार पर हो रहा है भविष्य में जनसंख्या पर यदि नियन्त्रण नहीं पाया गया तो यह विकास उस लक्ष्य तक नहीं पहुंच पाएगा। गोष्ठी में श्री हरिओम महाजन, श्री शिवकुमार जी, श्री गोयल जी, श्री मृत्युंजय प्रताप सिंह, श्रीमती मीना अरोड़ा आदि के साथ उत्तरी दिल्ली अध्ययन केन्द्र के कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे ।

नई शिक्षा नीति से शिक्षा स्तर में होगा गुणात्मक परिवर्तन

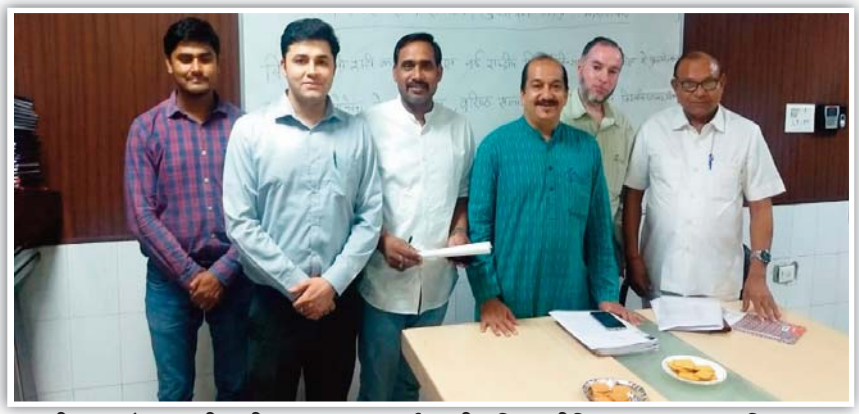

फरीदाबाद में '21वी सदी का भारत एवं नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2019' नामक विषय पर वाईएमसीए विश्वविद्यालय के तत्वाधान में आयोजित मासिक गोष्ठी।

फरीदाबाद, केंद्र सरकार द्वारा तैयार 'नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2019' वर्तमान भारतीय स्कूल, तकनीक एवं उच्च शिक्षा में गुणात्मक परिवर्तन लाने में कारगर नीति साबित होगी। नई शिक्षा नीति से सरकार देश में शोध को बढ़ावा देने के लिए 'नेशनल रिसर्च फाउंडेशन' बनाएगी और तकनीक एवं उच्च शिक्षा में महत्वपूर्ण बदलाव के लिए राष्ट्रीय शिक्षा आयोग का गठन किया जाएगा। उक्त विचार प्रोफेसर वेदप्रकाश कुमार, वरिष्ठ सलाहकार, चौधरी बंसीलाल विश्विद्यालय, हरियाणा ने व्यक्त किये, जो पंचनद शोध संस्थान, फरीदाबाद अध्ययन केंद्र द्वारा '21वी सदी का भारत एवं नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2019' नामक विषय पर वाईएमसीए विश्वविद्यालय के तत्वाधान में आयोजित मासिक गोष्ठी में प्रस्तुतकर्ता के रूप में पधारे थे। उन्होंने आगे कहा कि नई नीति छात्रों को भी अपनी रुचि के विषय चुनने की आजादी देती है। मुख्य वक्ता ने श्रोताओं को बताया कि नई नीति देश में तक्षशिला जैसे शोध आधारित विश्विद्यालय बनाने की वकालत करती है। इसके अलावा शिक्षा नीति-2019 मेडिकल शिक्षा में भी महत्वपूर्ण परिवर्तन की ओर इशारा करती है।

गोष्ठी के अध्यक्ष प्रोफेसर दिनेश कुमार, कुलपति, जे.सी.बोस विज्ञान एवं तकनीक विश्विद्यालय, फरीदाबाद ने कहा कि नई शिक्षा नीति-2019 उच्च शिक्षा के नाम परे चल रही दुकानों पर ताला लगा देगी। अध्यक्ष महोदय ने आगे कहा कि नई शिक्षा नीति वर्तमान प्राइमरी शिक्षा में भी महत्वपूर्ण परिवर्तन लाएगी। नई नीति लागू होने के बाद 3 साल का बच्चा स्कूल में दाखिला ले सकेगा जिससे उसका न सिर्फ मानसिक एवं शारीरिक विकास तेजी से होगा बल्कि उसकी मूलभूत शिक्षा का स्तर भी सुधरेगा। उन्होंने आशा जाहिर की कि नई शिक्षा नीति- 2019 से अगले 10 सालो में भारत को विश्व पटेल पर शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण स्थान हासिल होगा। इस अवसर पर प्रस्तुतकर्ता एवं अध्यक्ष महोदय ने श्रोताओं के सवालों के जवाब भी दिए।

समान नागरिक संहिता देश और आमजन के हित में

फरीदाबाद में पंचनद शोध संस्थान, फरीदाबाद अध्ययन केंद्र द्वारा 'नई केंद्र सरकार के समक्ष मुद्दे एवं चुनौतियां ' नामक विषय पर आयोजित गोष्ठी।

फरीदाबाद, धारा 35 अ और 370 दोनों देश के साथ बहुत बड़ा धोखा है इन दोनों धाराओं को नई केंद्र सरकार जल्द हटाए ताकि देश के अभिन्न अंग जम्मू-कश्मीर में देश के अन्य आम नागरिक को भी कश्मीरियों की तरह सभी सरकारी सुविधाएं मिल सकें। उक्त विचार वरिष्ठ पत्रकार एवं राजनीतिक विश्लेषक पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ ने व्यक्त किये जो पंचनद शोध संस्थान, फरीदाबाद अध्ययन केंद्र द्वारा 'नई केंद्र सरकार के समक्ष मुद्दे एवं चुनौतियां ' नामक विषय पर वाईएमसीए विश्वविद्यालय के मल्टीमीडिया सेन्टर में आयोजित गोष्ठी में प्रस्तुतकर्ता के रूप में पधारे थे। उन्होंने आगे कहा कि अयोध्या में राम मंदिर बनाना भी जरूरी है जो कुछ लोगों के कारण रुका हुआ है नई सरकार को इस ओर भी ध्यान देना होगा। इसके अलावा सरकार को जनसंख्या नियंत्रण एवं सूखते-घटते पानी के स्रोतों पर भी काम करना होगा। उन्होंने आगे कहा कि पिछले 60 साल में गैर-बीजेपी सरकारों ने देश मे एक ऐसा माहौल पैदा किया कि हिन्दू अपने देश मे ही डर के जीने को मजबूर हो गया। अब आम हिन्दू को इस डर से बाहर निकलना होगा जो सरकार का नही आमजन का काम है। मुख्य वक्ता ने श्री निवासपुरी से हिन्दू परिवारों के पलायन,केरल एवं बंगाल राज्य सरकारों द्वारा बंगलादेशियो को विशेष महत्ता जैसे उदहारण देते हुए कहा कि यह सब बातें इस बात की ओर इशारा कर रहीं है कि अब आपको नई सरकार पर दवाब बना कर एनआरसी जैसे कुछ बड़े और कड़े फैसले लेने के लिए सरकार को मजबूर करना होगा। इसके अलावा आपको नई सरकार को कुछ अन्य नए और पुराने विषयों पर पूरे पांच साल सरकार को जगाये रखना होगा।

गोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे विद्या भारती के प्रांत अध्यक्ष देवप्रसाद भारद्वाज ने कहा कि नई सरकार को आमजन ने चुना है। इसलिए आमजन को अपने हित के फैसलों के लिए सरकार पर दवाब बनाने का हक है। आमजन को सरकार से 35-ए खत्म करने एवं समान नागरिक संहिता लागू करने की मांग करनी चाहिए और तब तक करनी चाहिए जब तक यह दोनों आमजन की मांग कानून न बन जाये। उन्होंने इस गोष्ठी के लिए पंचनद शोध संस्थान की प्रशंसा भी की। विषय प्रस्तुति के बाद गोष्ठी में आए सभी प्रबुद्ध जनों ने अपने-अपने विचार और जिज्ञासाएं भी प्रकट की उन्होंने श्रोताओं के प्रश्नों के उत्तर भी दिए।

समाज के महत्वपूर्ण विषयों की आवाज है मीडिया : प्रो. कुठियाला

फरीदाबाद, बौद्धिक वर्ग एवं मीडिया राष्ट्र और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी भूल चुके है तभी शायद विदेशी मीडिया जैसे फेसबुक, ट्विटर हमारे समाज के हर वर्ग खासतौर पर युवा वर्ग को अपनी गिरफ्त में लेने में कामयाब हो गए हैं। जिस कारण हमारे अपने ही अपनो से दूर होते जा रहे हैं। इसका दुष्प्रभाव यह हुआ कि हमारे युवा धीरे-धीरे अपनी मानव सभ्यता से दूर होता जा रहा है, उक्त विचार वरिष्ठ पत्रकार उमेश उपाध्याय ने रखे जो पंचनद शोध संस्थान द्वारा वाइएमसीए विश्वविद्यालय के तत्वाधान में आयोजित एक दिवसीय संगोष्ठी विषय 'राष्ट्र निर्माण में बौद्धिक वर्ग एवं मीडिया की भूमिका' में मुख्य वक्ता के रूप में पधारे थे। मुख्य वक्ता ने आगे कहा कि हमारी मीडिया आजादी के बाद से राष्ट्र और समाज के प्रति अपना फर्ज भूल गई है। जिसके परिणामस्वरूप समाज पर विदेशी मीडिया का कब्जा हो गया है। आज राष्ट्र निर्माण की महत्वपूर्ण ईकाई तथ्यनिर्माण का काम विदेशी मीडिया अपने हितों के अनुसार कर रहा है वह विश्व में हमारे बारे में आधारहीन कहानी सुना कर हमारी गलत छवि बना रहा है। उन्होंने आगे कहा कि बौद्धिक वर्ग भी राष्ट्र निर्माण में अपनी जिम्मेदारी भूल चुका है, जिस कारण हम मानसिक तौर पर बाहरी ताकतों के अधीन होते जा रहे है। श्री उमेश उपाध्याय ने शंकराचार्य और स्वामी विवेकानंद का उदाहरण देते हुए कहा कि आज फिर इन जैसे बौद्धिक वर्ग की हमारे समाज को जरूरत है जो तथ्यनिर्माण स्वयं से कर सकें, जो समाज में जनजागृति के लिए भारत की कहानी, भारत के संदर्भ में, भारतीय भाषा में अपनेपन के तरीके से सुना सके। उन्होंने भारतीय मीडिया को राष्ट्र निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करने का सुझाव दिया।

पंचनद शोध संस्थान द्वारा वाइएमसीए विश्वविद्यालय के तत्वाधान में 'राष्ट्र निर्माण में बौद्धिक वर्ग एवं मीडिया की भूमिका' विषय पर आयोजित एक दिवसीय संगोष्ठी।

गोष्ठी में पधारे पंचनद शोध संस्थान के निदेशक एवं हरियाणा उच्च शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रोफेसर बृजकिशोर कुठियाला ने कहा कि मीडिया एवं बौद्धिक वर्ग एक ही सिक्के के दो पहलू है। मीडिया समाज का प्रत्यक्ष वर्ग है, मीडिया समाज को समाज से बात कराता है, मीडिया ही समाज के विषयों को उठाता है, विषयों का विश्लेषण भी वही करता है इसलिए मीडिया की राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने आगे कहा कि बुद्धिशील वर्ग की भूमिका को भी राष्ट्र निर्माण में नकारा नहीं जा सकता। बुद्धिशील वर्ग अपने परस्पर संवाद से समाज को एकत्र करता है और विभिन्न विषयों पर उनका मत तैयार करता है। दुख की बात है कि दोनों समाज के मत निर्माता अपनी जिम्मेदारी भूल चुके हैं और कुछ देश विरोधी ताकतों और पूजीपतियों की कठपुतली बन गए है। इस अवसर पर उन्होंने फरीदाबाद अध्ययन केंद्र के दो नए कार्यकर्ताओं के नाम एवं जिम्मेदारी की घोषणा भी की। उन्होंने डॉ. आशुतोष निगम को संयोजक एवं डॉ. सुभाष गोयल को सहसंयोजक की जिम्मेदारी दी। गोष्ठी की अध्यक्षता विश्विद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। कार्यक्रम में पंचनद शोध संस्थान के दिल्ली के सह-समन्वयक डॉ. कृष्णचन्द्र पाण्डेय सहित संघ, विश्व हिन्दू परिषद के कई वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। मुख्य वक्ता ने बौद्धिक वर्ग एवं विद्यार्थियों के प्रश्नों के उत्तर भी दिए।

करनाल में पंचनद शोध संस्थान की ओर से आयोजित गोष्ठी में उपस्थित गणमान्य सदस्य।

पंचकूला में पंचनद शोध संस्थान की विचार गोष्ठी में मौजूद शहर के गणमान्य नागरिक।

अंगदान के विषय में लोगों में जागरूकता लाने की जरूरत

गुरुग्राम, अंगदान के विषय में समाज में अनेक भ्रान्तियां फैली हुई हैं जिनसे हमें दूर रहना चाहिए। भारत में दुनिया के सबसे ज्यादा दृष्टिहीन रहते हैं लेकिन अगर सभी लोग अपनी आँखे दान करना शुरू करें तो केवल 12 दिनों के अन्दर ही पूरे भारत देश में कोई भी दृष्टिहीन नहीं रहेगा।

पंचनद शोध संस्थान गुरुग्राम अध्ययन केन्द्र द्वारा अंगदान विषय पर जून माह में एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में विषय के प्रस्तोता डॉ. जयदीप कुमार शर्मा जी ने अंगदान विषय पर काफी विस्तार से अपना मत रखा। डॉ. जयदीप ने गोष्ठी में उपस्थित सभी जनों को अंग दान करने की पूरी प्रक्रिया समझाई और अंग दान करने के लिए सभी को प्रेरित करने की बात कही। उन्होंने अंग दाने से जुड़ी तमाम तरह की समाज में फैली हुई भ्रान्तियों से दूर रहने की सलाह दी और सरकार द्वारा इस दिशा में उठाए जा रहे सकरात्मक कदमों की सराहना भी की।

पंचनद शोध संस्थान गुरुग्राम अध्ययन केन्द्र द्वारा अंगदान विषय पर आयोजित गोष्ठी।

गोष्ठी में मौजूद रहे श्री पुष्पेन्द्र राठी, महामंत्री भारतीय शिक्षण मंडल ने गोष्ठी के विषय पर अपना मत रखा और कहा कि एनसीईआरटी के सिलेबस में अंग दान के विषय में एक अध्याय जरूर लाया जाना चाहिए। मंच का संचालन रवि कालरा जी ने किया। गुरुग्राम अध्ययन केन्द्र के अध्यक्ष डॉ. प्रवीन फोगाट जी ने पंचनद शोध संस्थान की उत्पत्ति और उद्देश्य से सभी लोगों को अवगत कराने के साथ-साथ विषय पर अपना मत रखा। गोष्ठी में अलग-अलग क्षेत्रों से गणमान्य लोग उपस्थित रहे लगभग सभी ने गोष्ठी के विषय पर अपना-अपना मत प्रस्तुत किया। गुरुग्राम केन्द्र के सचिव दुष्यन्त कुमार राघव, अनुज लाकड़ा जी, अशोक कुमार स्योकन्द जी, भूमेश चन्द्र जी आचार्य खेमराज जी, संजीव जी, संजय कात्याल जी और रविन्द्र फोगाट जी आदि गणमान्य लोग गोष्ठी में उपस्थित रहे।

सभी को आवास उपलब्ध कराना और सामाजिक समरसता बड़ी चुनौती

पंचकूला, पंचनद शोध संस्थान के पंचकूला अध्ययन केंद्र की ओर से सोमवार को सेक्टर 10 स्थित गुर्जर भवन में विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में नई सरकार के सामने चुनौतियां विषय पर चर्चा हुई। विषय की प्रस्तुति कर रहे विशेषज्ञों ने कहा 2022 तक सभी के लिए आवास की व्यवस्था करना, आतंरिक सुरक्षा, ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता, धारा 370 को हटाना और जनसंख्या के बिगड़ते संतुलन ठीक करना और सभी नागरिकों को स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध करवाना बड़ी चुनौतियां हैं। गोष्ठी में पंचनद शोध संस्थान के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. कृष्ण सिंह आर्य, निदेशक प्रो. बृजकिशोर कुठियाला सहित बड़ी संख्या में शहर के प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित रहे।

विषय की प्रस्तुति कर रहे क्रीड के प्रोफेसर मनोज तेवतिया ने कहा कि देश के विकास के लिए प्रति व्यक्ति आय का फामूर्ला अब पर्याप्त नहीं है। इससे आगे बढ़कर लोगों के रहन-सहन और उनके सुख के स्तर का भी आंकलन करना होगा। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य बीमा की तरफ पहली बार किसी सरकार का ध्यान गया है, लेकिन गरीबी उन्नमूलन की दिशा में अभी और प्रभावी कदम उठाए जाने की आवश्यकता है। सामाजिक समरसता के लिए गांवों और शहरों की दूरी को पाटना होगा और इसके साथ ही शहरों की संरचना इस प्रकार करनी होगी जहां गरीब और अमीर एक साथ रह सके। शहरी योजनकारों को गरीबों के पुनर्वास की व्यवस्था करते वक्त उनके स्थापित काम-धंधों पर भी विचार करना चाहिए।

हरियाणा विद्युत नियामक आयोग के उपनिदेशक प्रदीप मलिक ने कहा कि नदियों को आपस में जोड़ना बड़ी चुनौती है और ऐसा करके ही रावी आदि दरियाओं का पानी पाकिस्तान जाने से रोका जा सकता है। नदियों को प्रदूषण से भी बचाना होगा। उन्होंने आष्युमान भारत योजना को बड़े स्तर पर लागू करने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि अभी ग्रामीण भारत तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच पर्याप्त नहीं हो सकी है।

पंचकूला में पंचनद शोध संस्थान की विचार गोष्ठी में उपस्थित प्रबुद्ध नागरिक।

गोष्ठी के दौरान खुली चर्चा में प्रबुद्ध नागरिकों ने कहा कि जम्मू-कश्मीर को विशेष राज्य का देने वाली धारा 370 को हटाना आवश्यक है। इसके साथ ही बिगड़ रहे जनसंख्या के संतुलन को ठीक करना भी सरकार के लिए बड़ी चुनौती है।

भारत द्वारा अंतरिक्ष में किया गया शक्ति प्रदर्शन है मिशन शक्ति

पंचनद शोध संस्थान गुरुग्राम अध्ययन केन्द्र द्वारा अंगदान विषय पर आयोजित गोष्ठी।

हिसार, पंचनद शोध संस्थान अध्ययन केंद्र हिसार द्वारा ब्लूमिंग डेल्स स्कूल सेक्टर 15 हिसार, में 'मिशन शक्ति' विषय पर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में विषय-प्रस्तुति रिटायर्ड कर्नल एसके कुंडू जी की रही। अपनी प्रस्तुति में कर्नल एस.के. कुंडू ने कहा की मिशन शक्ति वास्तव में भारत द्वारा अंतरिक्ष में किया गया शक्ति प्रदर्शन है। उन्होंने बताया कि हमारी सेना जल, थल और वायु तीनों विधाओं में पूर्ण रूप से सक्षम है, परंतु अंतरिक्ष हमारी सेना की पहुंच से दूर था और केवल अमेरिका रूस और चीन की सेना अंतरिक्ष में किसी सेटेलाइट को मार गिराने में सक्षम थी इसलिए यह बेहद जरूरी था कि हम अपनी सेना को अंतरिक्ष में हो रहे किसी भी संभावित खतरे को जानकर उसको अंतरिक्ष में ही नेस्तनाबूद कर सकने में सक्षम बनाएं। अतः इसरो और डीआरडीओ के संयुक्त प्रयास द्वारा अभियान चलाया गया जिस के तहत अंतरिक्ष में किसी भी सेटेलाइट को मार गिराने की तकनीक इजाद की गई और उसका सफल परीक्षण इसी साल 27 मार्च को किया गया और इस अभियान का नाम मिशन शक्ति रखा गया। उन्होंने बताया कि जनवरी में एक आर्मी सेटेलाइट इसरो द्वारा प्रक्षेपित किया गया और 27 मार्च को इसी सेटेलाइट को एंटी सेटेलाइट जिसे एसेट भी कहा जाता है तकनीक द्वारा गिराया गया। इसी के साथ भारत दुनिया का चौथा ऐसा देश बना जो अंतरिक्ष में किसी भी सेटेलाइट को मार गिराने में सक्षम है। उन्होंने बताया कि आगामी युद्ध, स्पेस युद्ध भी होंगे ऐसे में यह जरूरी था कि भारत इस तकनीक को विकसित करे। मिशन शक्ति द्वारा भारत ने पूरी दुनिया को यह एहसास कराया है कि हम न केवल थल, जल और वायु अपितु अंतरिक्ष में भी अपने दुश्मन के सेटेलाइट या किसी अवांछित गतिविधि से लड़ने और मार गिराने में सक्षम है। उन्होंने बहुत ही बारीकी से समझाया कि किस तरह इस मिशन की तैयारी की गई और किस तरह इस मिशन को पूरा किया गया। गोष्ठी की अध्यक्षता हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के रिटायर्ड प्रोफेसर एवं हेड एक्सटेंशन एजुकेशन डॉक्टर एन.एस वर्मा ने की। गोष्ठी का संचालन पंचनद शोध संस्थान अध्ययन केंद्र हिसार के सचिव मोहित कुमार द्वारा किया गया। उन्होंने बताया की मिशन शक्ति के द्वारा भारतीय सेना ने एक बहुत बड़ी उपलब्धि हासिल की है जोकि 2019 के आम चुनावों के बीच में हुआ इसलिए राष्ट्र इस उपलब्धि का उत्सव मनाने से वंचित रह गया। इसलिए पंचनद शोध संस्थान अध्ययन केंद्र हिसार द्वारा इस गोष्ठी का आयोजन मिशन शक्ति के सफलतापूर्वक पूर्ण होने पर एक उत्सव के रूप में किया गया है।

इस अवसर पर पंचनद शोध संस्थान अध्ययन केंद्र हिसार के अध्यक्ष डॉ.जगबीर सिंह सहित श्री सुदर्शन लाल सोनी, प्रोफेसर संदीप गेरा, डॉक्टर संदीप आर्य, श्री आनंद स्वरूप वर्मा रिटायर्ड निदेशक लोकल ऑडिट हरियाणा, श्री महावीर बंसल, श्री वीके गक्कड़, डॉ. पल्लवी, जगतजीत जी, राजेंद्र जी, दीपक जी डॉ. अमरदीप, डॉ. बलविंदर व अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

कुरान सही, मुस्लिम समुदाय के ठेकेदार कर रहे मनमानी

पंचकूला, पंचनद शोध संस्थान की विचार गोष्ठी में मुस्लिम पंथ की रस्में निकाह-हलाला पर गंभीर चिंतन हुआ। गोष्ठी के मुख्य वक्ता डॉ. मधुकर आर्य ने कहा कि मुस्लिम पंथ की अनेक कुरीतियों के कारण महिलाओं का शोषण हो रहा है। उन्होंने कहा कि कुरीतियां तथाकथित धर्म के ठेकेदारों द्वारा कुरान आदि ग्रंथों की गलत व्याख्या के कारण पनपी हैं। पंचकूला के सेक्टर-6 स्थित हंसराज पब्लिक स्कूल में आयोजित गोष्ठी में बड़ी संख्या में शहर के गणमान्य नागरिकों ने भी अपने विचार रखे। गोष्ठी का संचालन दिनेश कुमार ने किया।

डॉ. मधुकर आर्य ने कहा कि पैगंबर मोहम्मद शाह को अपनी अंतर्चेतना से ज्ञान आया। वे कंबल ओढ़कर साधना में बैठते थे और ऊपर से ज्ञान आता था। उसी ज्ञान को हजरत अली कलमबद्ध करते थे। यही ज्ञान कुरान के तौर पर संकलित हुआ। उन्होंने कहा कि कुरान में उसूलों और मानवता की बात कही गयी है। इसमें कहीं भी अत्याचारों और दूसरों के शोषण का समर्थन नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि बाद में धर्म के तथाकथित ठेकेदारों ने अपने स्वार्थों के कारण धर्म के नाम पर कुरीतियों को बढ़ाया दिया। इन कुरीतियों का सबसे ज्यादा खामियाजा मुस्लिम महिलाएं भुगत रही हैं। उन्होंने कहा कि कुरान में 3 तलाक मान्य नहीं है। उसमें दोनों खानदानों की सहमति और खासकर महिला की इच्छा से तलाक की बात कही गयी है, लेकिन बाद में धर्म के ठेकेदारों ने 3 तलाक और उससे भी आगे बढ़कर हलाला जैसी कुप्रथाओं को बढ़ावा दिया। उन्होंने कहा कि हलाला की प्रथा महिलाओं के किसी अन्य व्यक्ति के साथ विवाह करने, शारीरिक संबंध बनाने पर विवश करती है। इससे महिलाओं की सामाजिक गरिमा का कोई अस्तित्व नहीं बचा।

उन्होंने कहा कि पैगंबर मोहम्मद साहब की टिप्पणियों का संकलन हदीस के रूप में प्रचलित है। हदीस में भी इन कुरीतियों का कोई स्थान नहीं है। विचार गोष्ठी में दैनिक ट्रिब्यून के पूर्व संपादक एवं पंचनद शोध संस्थान के मार्गदर्शक राधेश्याम शर्मा, कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. केएस आर्य, सुमंतो घोष, प्रो. अद्वितीय खुराना, सुखदेव धीमान, सुमन अग्रवाल, रमाकांत भारद्वाज, दिवाकर कुमारिया आदि मौजूद थे।

गौरतलब है कि पंचनद शोध संस्थान बुद्धिजीवियों का ऐसा समूह है जो उत्तर भारत में 1984 से विभिन्न समसामयिक विषयों पर जागृति उत्पन्न करने का काम कर रहा है। इसी के तहत पंचकूला अध्ययन केंद्र की ओर से महीने के तीसरे रविवार किसी एक समसामयिक विषय पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया जाता है। इसमें समाज के विभिन्न वर्गों से श्रोताओं को आमंत्रित किया जाता है ताकि वह अपना स्वतंत्र मत निर्माण कर राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका का निर्वहन कर सकें।